



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 458] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 26, 1988/भाद्रपद 4, 1910
No. 458] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 26, 1988/BHADRA 4, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1988

प्रधिमूकता,

सं. 216/88-केन्द्रीय आयात-रजिस्टर

सा.का.नि. 892(अ) केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त पत्रिका के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्घाटन (जिसके अन्तर्गत उक्त उद्घाटन न किया जाता है) की वास्तव माध्यामिक विधायन थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के पार्श्व में 40.05 के अन्तर्गत आयात करने योग्य उक्त अनुसूची के पदवार 40 के अन्तर्गत आने वाले गन्ध के पदवारों के उत्पादन के आयात में प्रयुक्त योगिक

रबड़ पर उत्पाद-शुल्क प्रथम वर्णित अधिनियम की उक्त धारा 3 के प्रचीन 28 फरवरी, 1986 से प्रारम्भ होने वाली और 24 मई, 1987 का समाप्त होने वाली कालावधि के दौरान उद्घट्टन नहीं किया जा रहा था;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश करती है कि ऐसे योगिक रबड़ पर उक्त अधिनियम के अधीन देय समस्त उत्पाद-शुल्क जिसका, उक्त पद्धति के कारण संचय नहीं किया जा रहा था, ऐसे योगिक रबड़ की बाबत संदाय किए जाने की प्रवृत्ति नहीं होगी जिसे पर उक्त उत्पाद-शुल्क का उक्त पद्धति के अनुसार पूर्वोक्त कालावधि के दौरान उद्घट्टन नहीं किया गया था।

[क्र. सं. 99/12/87-सी. एक्स.-3]

एन.सी. जाना, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 26th August, 1988

NOTIFICATION

No. 246/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. No. 882 (E) :—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on compounded rubber, falling under heading No. 40.05 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and used in the factory of production for the manufacture of goods falling within Chapter 40 of the said Schedule, was not being levied under the said section 3 of the first-mentioned Act during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 24th day of May, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on such compounded rubber, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such compounded rubber on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 99/12/87-CX-3]

S. C. JANA, Under Secy.